इंडोर गेम्स

मिशन शिक्षण संवाद

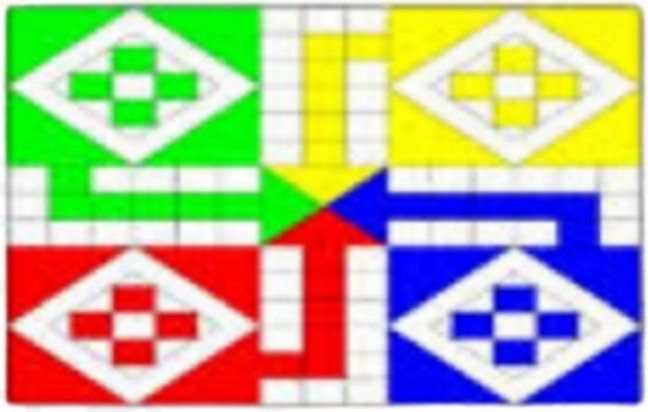

साभार
श्रीमती नीलम भदौरिया
जनपद संयोजिका
मिशन शिक्षण संवाद, फ़तेहपुर

संकलन
टीम मिशन शिक्षण संवाद, फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिन
मंगलवार

शतरंज

दिनाँक
01/09/2020

शतरंज तेज दिमाग का खेल,
चुनौती, एकाग्रता का मेल।
चौपट पर यह खेला जाता,
64 वर्गों वाला खेल।।

दो लोगों के बीच का खेल,
एक जगह बैठकर होता खेल।
शुरुआत सफेद खिलाड़ी से होती,
बड़ा मनोरंजक होता खेल।।

गुप्तकालीन है प्रादुर्भाव,
हुआ भारत में था उद्भव।
महाभारत में मिलता प्रसंग,
नाम था इसका, तब चतुरंग।।

प्राचीन सभ्यता को दर्शाता,
सफेद काले मोहरे से खेला जाता।
रावण ने मंदोदरी का रखने को मन,
खेल बनाया मनपसंद।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

✍रचनाकार✍
सुमन पांडेय
प्रधानाध्यापिका
प्रा०वि०टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिन
बुधवार

कैरम बोर्ड

दिनाँक
02/09/2020

कैरम बोर्ड है इन्डोर,
छोटे-बड़े वर्गाकार,
चारों तरफ स्ट्राइकर लाइन,
कोनों में हैं गड्ढे चार।

मध्य में रखी जाती हैं गोटी,
नौ काली नौ पीली गोटी,
लाल रंग की रानी गोटी,
खेले राजू राधा मीना स्वीटी।

स्ट्राइकर लाइन से करता हिट,
गड्ढे में जब जाती गोटी,
एक अंक दे काली गोटी,
एक अंक दे पीली गोटी।

गड्ढे में स्ट्राइकर जो जाए,
जीती गोटी भी खो जाए,
रानी गोटी जीत दिलाए,
जो जीतेगा ज्यादा गोटी,
खेल जाएगा जीत।

✍रचनाकार✍
प्रतिभा गुप्ता
सहायक अध्यापक
उ.प्रा.वि.- खेमकरनपुर,
विजयीपुर - फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिन
गुरुवार

टेबल टेनिस

दिनाँक
03/09/2020

सेल्युलाइड की गेंद सफेद,
प्लेयर हाँथ में लेता रैकेट।
कमरे अंदर खेला जाता,
टेबल टेनिस है कहलाता।1।

दो या चार खिलाड़ी हो,
अनिवार्य नियम ये लागू हो।
बदन पे कपड़े हो रंगीन,
रबर के जूते पैरों में हो।2।

टेबल की लंबाई नौ फुट,
पांच इंच चौड़ाई हो।
एक इंच मोटाई इसकी,
ढाई फुट ऊंचाई हो।3।

रैकेट का कोई वजन न निश्चित,
गेंद का व्यास, भार सब निश्चित।
पहले इक्कीस अंक जो पाए,
विजयी प्लेयर वो कहलाये।4।

✍रचनाकार✍
उपासना कुमारी
सहायक अध्यापक
प्रा.वि.- लमहिचा
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

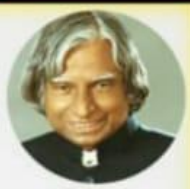

दिन
शुक्रवार

लूडो

दिनाँक
04/09/2020

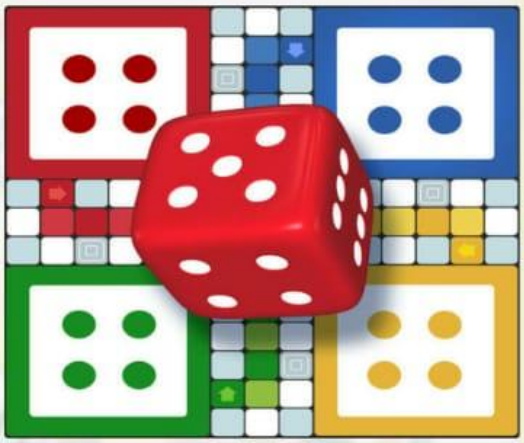

लोकप्रिय हैं भारत में,
कई अनोखे खेल।
खेलते जिसे रणनीति से,
कहते उसे लूडो खेल।।

देते हैं आकार किसी बोर्ड पर,
चौकोर बने दफ्ती या कागज़ पर।
रंग-बिरंगा खूब रंगीला,
लाल, हरा, नीला, पीला।।

दो लोग इसे मिलकर खेलें,
तीन-चार दोस्त भी इसको खेलें।
बहुत सोच कर पांसा फेंके,
आयी गिनती से आगे बढ़ते।।

इनडोर गेम कहते हैं इसको,
बच्चे-युवा खेलें घर में इसको।
स्वस्थ प्रतियोगिता होती विकसित,
समय बिताने का है उत्तम साधन।।

✍रचनाकार✍
प्रतिमा उमराव
सहायक अध्यापक
कंपोजिट विद्यालय- अमौली
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिन
शनिवार

स्क्वैश

दिनाँक
05/09/2020

एकल या डबल खेल लो,
चाहे जैसे स्क्वैश खेल लो,
आओ बच्चों स्क्वैश खेल लो,
आओ बच्चों स्क्वैश खेल लो।

टेनिस का मैं छोटा रूप,
चार दीवारें मेरा मैदान,
गलियों में भी मुझे खेल लो,
चाहे जैसे स्क्वैश खेल लो।

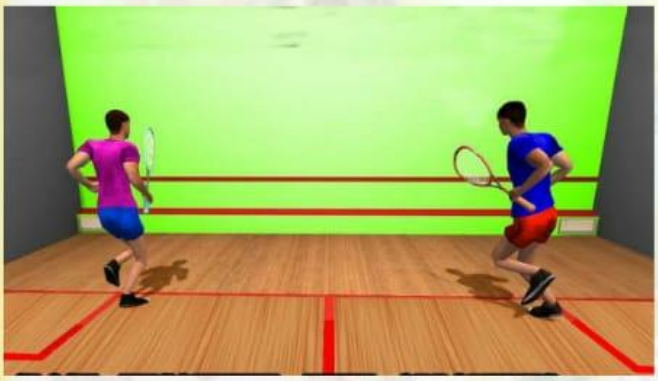

रैकेट ही मेरा हथियार,
और संग में छोटी सी गेंद,
मिलकर आओ खेलें खेल,
चाहे जैसे स्क्वैश खेल लो।

स्वास्थ्यवर्द्धक यह खेल है भाई,
ओलंपिक में जगह बनाने को,
करना पड़ेगा इसे और इंतजार,
तब तक चलो स्क्वैश खेल लो,
आओ बच्चों स्क्वैश खेल लो।

✍रचनाकार✍
मोनिका सिंह
सहायक अध्यापक
उ. प्रा. विद्यालय- मलवां प्रथम
मलवां, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिन
रविवार

बॉक्सिंग

दिनाँक
06/09/2020

सन् 1867 इंग्लैंड में,
जन्मा था बॉक्सिंग का खेल,
क्वीन बेरी नियमों के साथ,
यह था हमेशा ओलंपिक खेल।।

इसे खेलते हम कई रूप में,
चाहे व्यवसायिक हो या ओलंपिक,
धूम मचाए सारी दुनिया में,
चाहे कितना हो यह खेल खतरनाक।।

मार नहीं सकता कोई मुक्केबाज,
जमीन पर हो अगर प्रतिद्वंन्दी,
हर बॉक्सर के होते चार सहायक,
और निर्णय करते तीन न्यायाधीश।।

अमेरिका के दो बॉक्सर,
माइकल टायसन और डीऔन्टे वाइल्डर,
भारत की कविता चहल हो या पूजा रानी,
इतिहास बनाएं मैरीकॉम और मोहम्मद अली।।

✍रचनाकार✍
साधना
प्रधानाध्यापिका
कंपोजिट स्कूल- ढोढियाही
तेलियानी, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

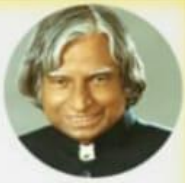

दिन
सोमवार

स्नूकर

दिनाँक
07/09/2020

स्नूकर है खेल देखो
एक डंडी वाला
बनात से ढके मेज
पर है खेला जाता।1।

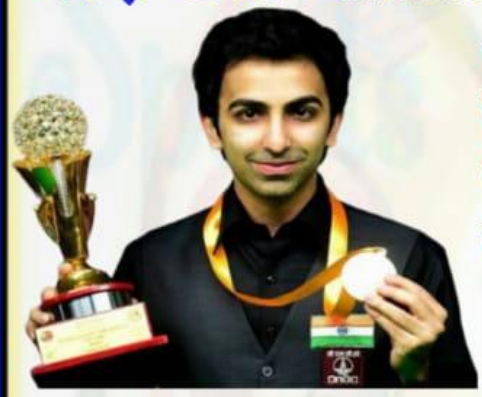

आकार होता इसका
लम्बाई 12 * 6 फीट
मारो इसमें गेंद को
सटीक निशाना खींच।2।

वांछित रंग की गेंद को
निशाना बनाया जाता
लगाकर निशाना खिलाड़ी
अनेक अंक है पाता।3।

रियर्डन, डेविस इसके
महान खिलाड़ी हुए
सुल्लीवन व मार्क हिंगिस
इसमें आसमान छुए।4।

✍रचनाकार✍
शुधांशु श्रीवास्तव
सहायक अध्यापक
प्रा.वि.- मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

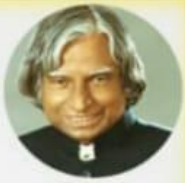

दिन
मंगलवार

बिलियर्ड्स

दिनाँक
08/09/2020

फ्रांस देश में उत्पत्ति हुई,
प्रचलित हुआ पूरे यूरोप में।
दो खिलाड़ियों का खेल यह,
प्रसिद्ध बिलियर्ड्स के रूप में।1।

उत्पत्ति पाई 'बिलार्ड्स' शब्द से,
नियम बताए 'द कंप्लीट गेमेस्टर'।
छः पाकेट टेबल पर खेले,
दो खिलाड़ी इसे मिलकर।2।

दो गेंदों से ही खेला जाए,
दो खिलाड़ियों द्वारा टेबल पर।
अंक मिले जो स्टिक से स्ट्राइक करें वे,
अपनी गेंद से प्रतिद्वन्द्वी की गेंद पर।3।

लोकप्रिय रूप 1920 में आया,
'9 बाल' के रूप में प्रसिद्धि पाया।
कुलीन वर्ग व शाही व्यक्तित्व में,
अब यह खेल सीमित कहलाया।4।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

✍रचनाकार✍
अर्चना अरोड़ा
प्रधानाध्यापिका
कंपोजिट वि.- बरेठर खुर्द
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिन
बुधवार

बास्केटबॉल

दिनाँक
09/09/2020

बास्केटबॉल में दो टीम है होती,
12 में से 5 खिलाड़ी कोर्ट में है खेलते।
28 मीटर लम्बा,15 मीटर चौड़ा कोर्ट है होता,
आयतकार, सपाट, ठोस धरातल है होता।

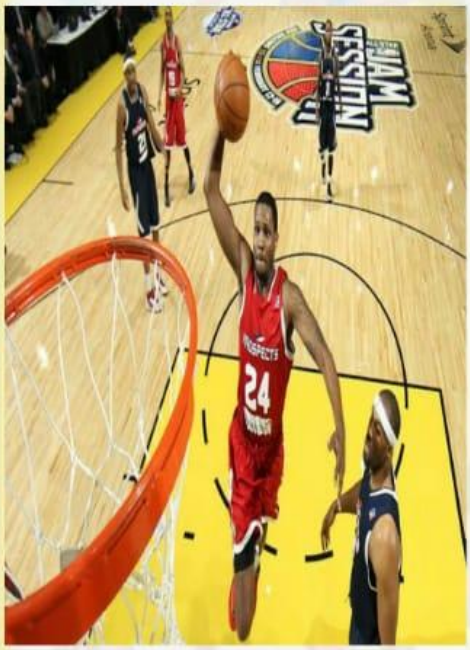

बास्केटबॉल खेल 40 मिनट का है होता,
10-10 मिनट के अंतराल में है होता।
बाल को ड्रिबलिंग व पासिंग से हैं बढ़ाते,
और विरोधी टीम के बास्केट में है डालते।

कई फाउल व वायलेशन है होते,
व्यक्तिगत फाउल 5 से कम है करना।
टीम फाउल में दो फ्री थ्रो है करना,
ट्रैवलिंग व टेक्निकल फाउल न करना।

24 सेकंड में है गोल को करना,
3 सेकंड तक विरोधी घेरे में रहना।
खेलोगे बच्चों जब पूरे विश्वास से,
तभी नवाजे जाओगे अर्जुन पुरस्कार से।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

✍रचनाकार✍
सरस्वती देवी
सहायक अध्यापक
उ. प्रा. वि.- टिकरीमनौटी
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

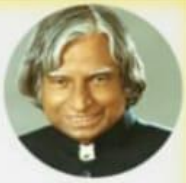

दिन
गुरुवार

साँप-सीढ़ी

दिनाँक
10/09/2020

टेढ़ी-मेढ़ी, ऊपर-नीचे,
चलते हैं सब आगे-पीछे,
जीत-हार का लक्ष्य है ऐसा,
मकड़ी के जाले के जैसा।

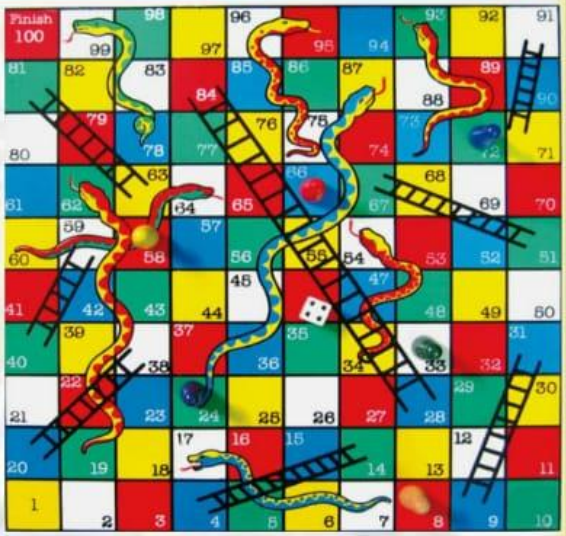

कोई आगे कोई पीछे,
कोई ऊपर कोई नीचे,
साँप ने काटा आ गए नीचे,
सीढ़ी मिल गई चढ़ गए ऊपर।

खेल दिमाग का है ये ऐसा,
प्रतियोगिता का रूप हो जैसा,
बच्चे इसमें मिल-जुल जाते,
बड़े भी अपना समय बिताते।

अजब-गजब ये खेल निराला,
बचपन में है सबको प्यारा,
बैठे जब बच्चों की टोली,
मनोरंजन की साँप-सीढ़ी जो खेली।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

✍रचनाकार✍
निर्मला सिंह
सहायक अध्यापक
उ.प्रा.वि.- छीछा
खजुहा, फ़तेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

दिन
शुक्रवार

♣ कार्ड गेम्स ♣

दिनाँक
11/09/2020

खेल जगत में न्यारे-न्यारे।
लगते हैं हम सबको प्यारे॥
कार्ड गेम है खेल निराला।
खोले यह दिमाग का ताला॥

नौवीं सदी चीन में जन्मा।
पत्तियों से था खेला जाता॥
तांग घराने का यह खेल।
गंजीफा से खाता मेल॥

14वीं सदी यूरोप में पहुँचा।
पत्ते बने हुए लकड़ी के॥
पान हुकुम और चिड़ी ईंट का।
फ्रांस देश में हुआ प्रयोग।

बावन पत्ते होते हैं पूरे।
पूरे सेट को कहते हैं डेक॥
इक्का बादशाह गुलाम व बेगम।
इसमें होते हैं पत्ते अनेक॥

✍रचनाकार✍
शुभा देवी
सहायक अध्यापक
कंपोजिट विद्यालय- अमौली
अमौली, फतेहपुर